सम्बलपुर मंडल का संक्षिप्त इतिहास

सम्बलपुर मंडल का नाम सम्बलपुर शहर से लिया गया है जो वहां स्थित देवी समलाई के नाम से प्रेरित है.माँ समलाई की मूर्ति 16 वी.सदी के मध्य में सम्बलपुर के प्रथम चौहान राजा बलराम देव के द्वारा सिमल (रेशम कपास) वृक्ष के नीचे स्थापित की गयी थी.सम्बलपुर एक प्राचीन शहर है.ग्रीक भूगोलिक टॉलमी (2री. सदी ईसा पश्चात्) द्वारा अपनी पुस्तक "जीओग्राफिका" में इस शहर को "मंदा" नदी के किनारे अवस्थित "सम्बलका" के नाम से पहचाना गया है जो,महानदी के किनारे बसा हुआ आज का आधुनिक सम्बलपुर है.

सम्बलपुर मंडल का गठन अप्रैल-1990 में हुआ, इस मंडल को चक्रधरपुर मंडल के कुछ भाग एवं वाल्तेरू मंडल के कुछ अनुभागों को मिलाकर बनाया गया है.दिनांकः 15-08-1998 को 154 किलोमीटर लम्बी नवनिर्मित सम्बलपुर-तालचेर लाइन को इस मंडल में जोड़ा गया. अगस्त-2012 में 30.25 किलोमीटर लम्बा लांजीगढ़-भवानीपटना अनुभाग एवं मार्च-2014 में 24.05 किलोमीटर लम्बा भवानीपटना-जूनागढ़ रोड अनुभाग मंडल में जोड़ा गया.वर्तमान में सम्बलपुर मंडल के कुल ट्रैक की लम्बाई 738.5 किलोमीटर है.

यह मंडल पश्चिम ओड़िशा एवं दक्षिण ओड़िशा के 9 जिलों (झारसुगुड़ा,
सम्बलपुर,बरगढ़,बलाँगीर,सोनपुर,कालाहांडी,रायगड़ा,नुआपाड़ा और अंगुल) एवं छतीसगढ़ के 2 जिलों (रायपुर और महासमुंद) में अपनी सेवाएं देता है